**Regarding control of prices of essential medicines**

श्री गुरमीत सिंह मीत हायेर **(संगरूर) :** सभापति जी, धन्यवाद । जिस मुद्दे से देश के सबसे ज्यादा लोग परेशान हैं, मैं उस तरफ सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । डीपीसीओ एक्ट, 2013 के अंतर्गत कुछ एसेंशियल मेडिसिन्स हैं, जिनका रेट कंट्रोल किया जा रहा है, लेकिन भारत में जो सबसे अधिक दवाएं उपयोग की जाती हैं, उनमें बीपी और डायबिटीज़ की हैं, जिन पर कोई कंट्रोल नहीं है । सेम कंपोज़ीशन की मेडिसन 10 अलग-अलग कंपनियां बना रही हैं और सभी कंपनियों के दाम अलग-अलग हैं । वे 300 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक का प्रॉफिट कमा रही हैं । आप देखिए तीन रुपये की मैन्युफैक्चरिंग है, लेकिन एक कंपनी उसको दस रुपये की दे रही है और दूसरी पचास रुपये की दे रही है ।

मेरा सरकार से आग्रह है कि कम से कम सेम कंपोज़िशन वाली दवाओं के रेट की कैपिंग की जाए, ताकि देश के लोगों से जो लूट हो रही है, वह बंद हो सके ।